# ❁ 19 जुलाई 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ❁

## ❁ ज्ञान-

1] जिसने आलराऊण्ड पार्ट बजाया है, जिसने सबसे जास्ती भक्ती की है, वही ज्ञान को धारण करने में बहुत तीखे जायेंगे। ऊंच पद भी वही पायेंगे। तुम बच्चों से कोई कोई पूछते हैं– तुम शास्त्रों को नहीं मानते हो? तो बोलो जितना हमने शास्त्र पढ़े हैं, भक्ति की है, उतना दुनिया में कोई नहीं करता। हमें अब भक्ति का फल मिला है, इसलिए अब भक्ति की दरकार नहीं।

2] भल स्वर्ग में तो बहुत जायेंगे परन्तु बाप को जानकर भी विकर्मों को विनाश नहीं किया तो सजायें खाकर हिसाब-किताब चुक्तू करना पड़ेगा, फिर पद भी बहुत कम मिलेगा।

3] राजधानी न तो सतयुग में स्थापन हो सकती, न कलियुग में क्योंकि बाप सतयुग या कलियुग में नहीं आते हैं। इस युग को कहा जाता है पुरूषोत्तम कल्याणकारी युग। इसमें ही बाप आकर सबका कल्याण करते हैं।

4] स्वर्ग कैसे रचने हैं? याद की यात्रा और ज्ञान से। भक्ति में ज्ञान होता नहीं। ज्ञान सिर्फ एक ही बाप देते हैं ब्राह्मणों को।

5] दुनिया अविनाशी है, कभी विनाश को नहीं पाती। वो लोग दिखाते हैं बड़ी प्रलय होती है फिर कृष्ण अंगूठा चूसता हुआ पीपल के पत्ते पर आता है। परन्तु ऐसे कोई होता थोड़ेही है। यह तो बेकायदे है। महाप्रलय कभी होती नहीं। एक धर्म की स्थापना और अनेक धर्मों का विनाश चलता ही रहता है। इस समय मुख्य 3 धर्म हैं।

6] भक्ति के फल का किसको भी पता नहीं है। भक्ति का फल है ज्ञान, जिससे स्वर्ग का वर्सा सुख मिलता है। तो फल देते हैं अर्थात् नर्कवासी से स्वर्गवासी बनाते हैं एक बाप।

7] आत्मा न घटती, न बढ़ती, न कभी मृत्यु को पाती है।

8] मनुष्य कहते हैं तुम ब्रह्मा को भगवान, ब्रह्मा को देवता कहते हो। अरे, हम कहाँ कहते हैं ! झाड़ के ऊपर एकदम अन्त में खड़े हैं, जबकि झाड़ सारा तमोप्रधान है। ब्रह्मा भी वहाँ खड़ा है तो बहुत जन्मों के अन्त का जन्म हुआ ना।

9] जिन बच्चों के साथ सर्व शक्तिमान बाप कम्बाइन्ड है– उनका सर्वशक्तियों पर अधिकार है और जहाँ सर्व शक्तियां हैं वहाँ सफलता न हो, यह असम्भव है। यदि सदा बाप से कम्बाइन्ड रहने में कमी है तो सफलता भी कम होती है।

10] सच्चे वैष्णव वह हैं जो विकारों रूपी गन्दगी को छूते भी नहीं।

## ❁ योग-

1] तो बाप समझाते हैं– बच्चे, **एक अल्फ को ही याद करना है। अल्फ माना बाबा, उनको अल्लाह भी कहते हैं।**

2] अब बाप तुम बच्चों को समझाते हैं– अपने को आत्मा समझ मुझ एक बाप को याद करो।

## ❁ धारणा-

1] मीठे बच्चे– सच्चे बाप के साथ अन्दर बाहर सच्चा बनो, तब ही देवता बन सकेंगे। तुम ब्राह्मण ही फरिश्ता सो देवता बनते हो।

2] अब बाप कहते हैं– बच्चे, बाप को भूलो मत। टाइम वेस्ट मत करो।

3] सदा साथ निभाने वाले अविनाशी साथी को कम्बाइन्ड रखो तो सफलता जन्म सिद्ध अधिकार है क्योंकि सफलता मास्टर सर्वशक्तिमान के आगे-पीछे घूमती है।

## ❁ सेवा-

1] तब बाबा कहतें हैं–पहले-पहले आत्मा का ज्ञान देना चाहिए। वह तो एक भगवान् ही दे सकते हैं। ऐसे नहीं सिर्फ भगवान् को नहीं जानते। परन्तु आत्मा को भी नहीं जानते।